केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 75 सोमवार 7 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

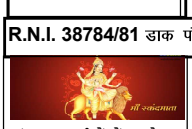

स्कंदमाता : जीवों में नवचेतना देती हैं दुर्गा की पांचवीं शक्ति

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।।

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा–अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है।

स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं।

इस देवी की चार भुजाएं हैं। ये दाईं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बाईं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।

शास्त्रों में इसका काफी महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है।

उनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं। कहते हैं कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम महाकाव्य और मेघदूत रचनाएं स्कंदमाता की कृपा से ही संभव हुईं।

एक नजर

डांडिया नाइट, भजन संध्या का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दी सिटी मांटेसरी स्कूल शारदीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर डांडिया नाइट एवं भजन संध्या का कार्यक्रम बड़े ही भव्यता के साथ आयोजित किया गया सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता समीर सिंह के साथ जिला अध्यक्ष भाजपा विवेकानंद मिश्रा विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे प्रधानाचार्य नूपुर त्रिपाठी कोऑर्डिनेटर संध्या त्रिपाठी सुषमा श्रीवास्तव एवं सूरज श्रीवास्तव ने मां दुर्गा के समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉक्टर समीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम करने से बच्चों के अंदर संस्कृत भावना जहां उत्पन्न होती है वही संस्कार भी जन्म लेता है सनातन प्रक्रिया को आगे बढ़ते हुए हम सबको ईश्वर के प्रति आस्था में विश्वास रखना चाहिए। सीएमएस विद्यालय को बधाई देना चाहता हूं कि ऐसे कार्यक्रम कर जहां एक तरफ बच्चों का अभिभावकों को जोड़ने का प्रयास किया है वहीं विद्यालय भवन को मंदिर स्वरूप देकर मां के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई है माता रानी विद्यालय को सदैव आगे बढ़ते रहे।

कार्यक्रम में 51 कन्याओं का कन्या पूजन कर विद्यालय प्रबंधन ने कन्याओं के पैर धोए एवं उनके चरणों का मां दुर्गा स्वरूप के रूप में आशीर्वाद प्राप्त किया।

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में नहीं होगी मदिरा, मांस की बिक्री– योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि जनवरी–फरवरी में आयोजित होने वाले महाकुंभ के दौरान यहां मांस और मदिरा (शराब) की बिक्री नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने 13 अखाड़ों, खाक चौक, दंडी बाड़ा और आचार्य बाड़ा के प्रतिनिधियों के साथ महाकुंभ को लेकर एक बैठक के दौरान यह बात कही। प्रयागराज में जनवरी–फरवरी में महाकुंभ लगने जा रहा है। पहला शाही स्नान 14 जनवरी मकर संक्रांति और अंतिम 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर होगा।

प्रदेश सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि साधु–संतों, संन्यासियों व वैरागियों सहित समस्त सनातन समाज की भावनाओं का सम्मान रखते हुए प्रयागराज की शास्त्रीय सीमा में मांस–मदिरा का क्रय–विक्रय प्रतिबंधित किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र नदियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं लेकिन साधु–संत समाज का भी सहयोग अपेक्षित है। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि महाकुंभ के दौरान ब्रह्मलीन होने वाले साधु–संतों की समाधि के लिए प्रयागराज में शीघ्र ही भूमि आरक्षित कर दी जाएगी।

बैठक में संत समाज की ओर से गो–हत्या पर प्रतिबंध की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गोहत्या अपराध है। गोहत्या के विरुद्ध उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही, राज्य सरकार सात हजार से अधिक गोवंश आश्रय स्थल का संचालन कर रही है, जहां 14 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित हैं।

महाकुंभ में सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने सभी संतों–संन्यासियों व आचार्यों से अनुरोध किया कि अपने आश्रम में तब तक किसी को प्रवास की अनुमति न दें जब तक कि उनका विधिवत सत्यापन न कर लिया जाए।

अधिशासी अभियंता की कुर्सी पर बैठकर फोटो खिचवाने के मामले में चपरासी निलम्बित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड के कार्यालय में उनकी कुर्सी पर बैठकर मुंडेरवा थाने के सक्रिय हिस्ट्रीशीटर ने बाकायदा फोटो खिंचवाई और उसे सोशल मीडिया पर वॉयरल कर दिया। फोटो वॉयरल होने के साथ ही विभाग में हड़कंप मच गया। अधिकारी इस बात से भी हैरत में हैं, कि जो एसी मैकेनिक उनके यहां कई वर्षों से आ रहा था, वह किसी थाने का हिस्ट्रीशीटर हैं। 'भारतीय बस्ती समाचार–पत्र' वायरल पोस्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। विभागीय जानकारों के अनुसार मुंडेरवा क्षेत्र के रामपुर रेवली का रहने वाला शमसुद्दीन काफी समय से लोक निर्माण विभाग के कार्यालयों में एसी मरम्मत का काम करता है। शुक्रवार को अभिशासी अभियंता प्रांतीय खंड के कार्यालय की एसी बनाने के लिए वह कार्यालय पहुंचा था। उस समय अधिकारी अपने चौबर में मौजूद थे। शमसुद्दीन से कहा गया कि वह शाम को कार्यालय बंद होने के बाद आए। वह छह बजे के बाद कार्यालय आया उस समय चौकीदार बनवारी लाल ड्यूटी पर था। एसी मरम्मत करने के बाद वह उसे टेस्ट कर रहा था। इसी दौरान चौकीदार लघुशंका के लिए चला गया। वहां मौजूद शमसुद्दीन अधिशासी अभियंता की कुर्सी पर बैठ गया। उसके साथ मौजूद उसके सहयोगी ने कुर्सी पर बैठे हुए फोटो खींच ली। बाद में शमसुद्दीन ने फोटो को फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। इसे कुछ लोगों ने बाद में पोस्ट को वॉयरल कर दिया।

अधिशासी अभियंता अवधेश कुमार ने बताया कि दिन के समय कार्यालय में काम होने के कारण मैकेनिक को रात में आने को कहा गया था। रात के समय कार्यालय में केवल चौकीदार मौजूद था। फोटो वॉयरल होने की खबर मिलने के बाद जांच की गई। ड्यूटी पर तैनात रहे चौकीदार बनवारी लाल की लापरवाही सामने आने के बाद उसको निलंबित कर दिया गया है। आरोपी के खिलाफ स्थानीय कोतवाली थाने में तहरीर दी गई है।

डबल इंजन सरकार का मतलब डबल लूट–केजरीवाल

नई दिल्ली (आभा)। आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में 'जनता की अदालत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता का प्यार, समर्थन और विश्वास ही मेरी ईमानदारी का प्रमाण बनेगा। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डबल इंजन सरकार का मतलब डबल लूट है। यूपी में पिछले सात साल से डबल इंजन की सरकार है, लेकिन फेल है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'इनकी (भाजपा) 22 राज्यों में सरकारें हैं। आप इनसे पूछना कि वे एक राज्य बता दें, जहां उन्होंने बिजली फ्री की हो...गुजरात में इनके 30 साल से सरकार है। उन्होंने एक भी स्कूल ठीक नहीं कराया...22 राज्यों में इनकी सरकारें हैं, एक काम ये बता दें जो इन्होंने अच्छा काम किया हो। अगली साल 17 सितंबर को पीएम मोदी रिटायर हो जाएंगे। मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप इन एक साल में 22 राज्यों में कोई ऐसा काम करके दिखा दीजिए जो दिल्ली में हुए हैं...10 साल में इन्होंने कुछ नहीं करा।'

केजरीवाल ने कहा, 'जब आप रिटायर होंगे तो सब ये तो सोचेंगे कि आपने 10 साल तो कुछ नहीं किया, लेकिन 11वें साल में तो कुछ किया। आज मैं पीएम मोदी को कहता हूं कि फरवरी में दिल्ली के चुनाव हैं। फरवरी के पहले इन 22 राज्यों में बिजली फ्री कर दीजिए, मैं दिल्ली की चुनाव में मोदी जी का प्रचार करूंगा।

जनता की अदालत कार्यक्रम के दौरान दिल्ली की सीएम और आप नेता आतिशी ने कहा, 'दिल्ली ही एक ऐसी जगह है, जहां भीषण गर्मी में भी 24 घंटे बिजली मिलती है और फिर भी बिल जीरो आता है, ये अरविंद केजरीवाल की दिल्ली है। भाजपा एक गरीब विरोधी पार्टी है और गरीबों को परेशान करती है। पिछले कुछ वर्षों से भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली भर में झुग्गियों को एक–एक करके ध्वस्त कर रही है, भाजपा ने छह महीने पहले वृद्धावस्था पेंशन बंद कर दी थी।'

दरवाजे की जमीन पर जबरिया कब्जा करने का आरोपः पीडित ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के महरीखावां निवासी रामचन्द्र मिश्र ने पुलिस अधीक्षक समेत अन्य उच्चाधिकारियों को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर अपने महरीखांवा स्थित मकान के आस–पास की जमीन को दबंगों से बचाने की मांग किया है।

पत्र में रामचन्द्र मिश्र ने कहा है उन्हें पता चला है कि अनूप सिंह पुत्र सुभाष सिंह निवासी गोरखपुर ने उनके मकान के निकट की जमीन को जय प्रकाश पाण्डेय से बैनामा कराया है। बैनामे में गलत चौहद्दी दर्ज की गई है और अनूप सिंह जबरिया उनके गेट, सहन व रास्ते पर अवैध रूप से कब्जा कर लेना चाहते हैं। इससे मोहल्ले में भी तनाव बना हुआ है। शिकायत करने पर मारपीट की धमकी देते हैं। उन्होने पुलिस उच्चाधिकारियों से मांग किया है कि महरीखावां स्थित उनके मकान के आस–पास की जमीन को दबंगों से बचाया जाय और सुरक्षा की भी व्यवस्था की जाय जिससे कोई अप्रिय घटना न घटने पाये।

घर की सफाई कर रहे युवक की करंट से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के भादी खुर्द गांव के मंझरिया पुरवा में रविवार सुबह करंट की चपेट में आए युवक की मौत हो गई।

हादसा उस समय हुआ जब वह घर में सफाई कर रहा था। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। मंझरिया पुरवा निवासी त्रिलोकी (28) पुत्र राम चरित्र घर में साफ–सफाई कर रहा था। इसी दौरान अंजाने में वह करंट की चपेट में आ गया।

शोर सुनकर घर वाले वहां पहुंचे तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। किसी तरह उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक आन्दोलितः बंद रहे मेडिकल स्टोर, परेशान रहे मरीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर को लेकर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े झोलाछाप चिकित्सक आन्दोलन की राह अख्तियार कर लिये हैं। पिछले दिनों एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर आग की तरह फैल गई है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झोला छाप डाक्टरों पर अभियान चला कर उन्हें जेल भेजने का कार्य करेंगे। ग्रामीण चिकित्सकों में मची खलबली और भारी मांग को लेकर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रेम त्रिपाठी सभी जनपदों में प्राथमिक उपचार कर रहे स्वास्थ्य सेवकों की लगातार बैठक ले रहे हैं। बस्ती जनपद के गौर ब्लॉक अध्यक्ष सत्यम विश्वास

तथा परशुरामपुर ब्लाक इकाई की बैठक प्रशांत कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों ने भाग लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि सम्पूर्ण परशुरामपुर ब्लाक के स्वास्थ्य सेवक अपनी क्लिनिक बन्द रखेंगे। साथ ही सभी मेडिकल स्टोर भी बन्द रहेंगे। यह बन्दी सोमवार को भी जारी रहेगा जिसमें सभी स्वास्थ्य सेवक बढ़ चढ़ कर हिस्सेदारी निभा रहे हैं।

मेडिकल स्टोर और झोला छाप चिकित्सकों के सामूहिक बन्दी से परशुरामपुर ब्लाक की जनता को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए इधर उधर भटकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। सीएचसी और पीएचसी पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है अगर यही स्थिति बनी रही तो छोटी छोटी बीमारियों खांसी, जुकाम, बुखार के लिए जनता को हलकान होना पड़ेगा।

इस सम्बन्ध में संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ लालजी आजाद ने बताया कि अगर सरकार अपने फैसले वापस नहीं लेती है तो परशुरामपुर ब्लाक के साथ ही साथ पूरे जिले में मेडिकल स्टोर और झोला छाप चिकित्सक अपनी सेवाएं पूरी तरह बन्द रखेंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन लगातार कई वर्षों से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवकों को प्रशिक्षित कर उनके रजिस्ट्रेशन की मांग करता आ रहा है। यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति मिलते ही ग्रामीण स्वास्थ्य सेवक राजधानी लखनऊ के लिए कूच करेंगे।

मस्जिद पर इस्राइली हवाई हमले में 19 की मौत

देर अल–बला (गाजा पट्टी), (आभा)। गाजा पट्टी की एक मस्जिद पर इस्राइली हवाई हमले में रविवार तड़के कम से कम 19 लोगों की मौत हो गयी। फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस्राइल ने ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के खिलाफ युद्ध का दायरा बढ़ाते हुए उत्तरी गाजा और दक्षिणी बेरूत में बमबारी तेज कर दी है। इस्राइल सात अक्टूबर को हमास के हमले के करीब एक साल बाद भी उससे लड़ रहा है और उसने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है।

मध्य देर अल–बला शहर के मुख्य अस्पताल के समीप एक मस्जिद में शरण लेने वाले विस्थापित लोगों पर हमला किया गया। इजराइल ने सबूत उपलब्ध कराए बिना कहा कि उसने हमास के कमांड एवं नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाया है। एक पत्रकार ने अल–अक्सा शहीद अस्पताल के मुर्दाघर में शवों की गिनती की। अस्पताल के रिकॉर्ड से पता चलता है कि सभी मृतक पुरुष थे। एक अन्य पुरुष गंभीर रूप से घायल है।

इस बीच, सेना ने उत्तरी गाजा के जबालिया (श्रंइसप) में नए सिरे से हवाई और जमीनी आक्रमण शुरू करने की घोषणा की, जहां इजराइल की स्थापना के आसपास 1948 के युद्ध के घनी आबादी वाले शरणार्थी शिविर स्थित हैं। उसने कई तस्वीरें और वीडियो प्रसारित की हैं जिनमें इलाके की ओर जा रहे कई टैंक दिखायी दे रहे हैं।

कागजों में सिमटा है सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–पूर्व विधायक संजय प्रताप ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

बस्ती। रूधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर बस्ती में लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्गों के मरम्मत के लिए स्वीकृति धनराशि का टेण्डर होने के 2 से 3 माह व्यतीत हो जाने के बावजूद कार्य प्रारम्भ न कराये जाने की जानकारी देते हुये व्यापक जनहित में उसे शुरू कराये जाने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि जनपद में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान अभी तक कागजों में सिमटा हुआ है।

भेजे पत्र में संजय प्रताप ने कहा है कि एक तरफ जहां आवागमन की सुगमता हेतु मार्ग का मरम्मत, निर्माण कार्य कराये जाने हेतु सरकार पूरी तरीके से प्रतिबद्ध है वहीं बस्ती के लोक निर्माण विभाग में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों के द्वारा गढ्ढा मुक्त मरम्मत कराने के लिए स्वीकृति धनराशि का टेन्डर 2–3 माह पूर्व ही करा दिया गया लेकिन अभी तक सम्बन्धित ठेकेदारों, अभियन्ताओं द्वारा कार्य प्रारम्भ नहीं कराया जा रहा है। डुमरियागंज मार्ग काफी जर्जर स्थिति में है। आये दिन वहां पर गड्ढों के चलते कई दुर्घटनाएं हो रही है। इससे जनपदवासियों में काफी रोष व्याप्त है। उन्होने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि तत्काल प्रभाव से सड़कों को गड्ढा मुक्त कराया जाय जिससे नागरिकों को आवागमन में सुविधा रहे।

नाना, नाती से कथित चोरी के मामले में गौर पुलिस पर एक लाख रूपये के वसूली का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–पीड़ित दलित कैलाशनाथ ने पुलिस उच्चाधिकारियों, मानवाधिकार आयोग, अनुसूचित जन जाति आयोग से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। गौर थाना क्षेत्र के वार्ड नम्बर 14 चन्द्रशेखर आजाद नगर निवासी दलित कैलाशनाथ ने पुलिस महानिदेशक, मानवाधिकार आयोग, अनुसूचित जन जाति आयोग के साथ ही अनेक विभागीय उच्चाधिकारियों को रजिस्टर्ड पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में कैलाशनाथ ने कहा है कि उनके घर के सामने शिव कुमार के घर में गत 31 अगस्त को चोरी हो गई। सूचना पर गौर और बभनान पुलिस मौके पर पहुंची। कैलाशनाथ के घर में लगे सी.सी.टी.वी. फुटेज को देखा फोटो में चोर की पहचान न होने पर पुलिस चली गई। 3 सितम्बर को गौर व पुलिस चौकी बभनान पुलिस उनके घर पहुंची और उन्हें और नाती 11 वर्षीय अंश को गाडी पर बैठाकर थाने ले गयी। दो दिन तक गौर पुलिस ने नाबालिग अंश और 70 वर्षीय कैलाशनाथ को को मारा पीटा, धमकियां दी। गौर थानाध्यक्ष राम कुमार राजभर, बभनान पुलिस चौकी इन्चार्ज अनन्त कुमार मिश्र, सिपाही लवकुश यादव ने नाना और नाती को छोड़ने के लिये चार लाख रूपये की मांग किया। न देने पर चोरी के फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी दी। कैलाशनाथ के अनुसार गौर पुलिस ने एक लाख रूपये की रिश्वत लेकर उन्हें छोड़ दिया और नाबालिक नाती अंश का चालान कर दिया। तीसरे दिन वह जमानत पर छूटा।

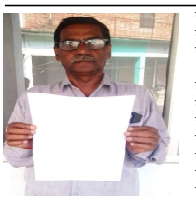

पत्र में कैलाशनाथ ने कहा है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने के साथ ही दोषी एक लाख रूपये की धन उगाही करने वाले गौर पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। उन्हे आशंका है कि शिकायत करने के नाते गौर पुलिस उन्हें और उनके परिवार को किसी फर्जी किसी मामले में फंसाकर उत्पीड़न कर सकती है। यदि उसके या परिवार के साथ कोई अनहोनी होती है तो गौर थानाध्यक्ष राम कुमार राजभर, बभनान पुलिस चौकी इन्चार्ज अनन्त कुमार मिश्र, सिपाही लवकुश यादव आदि को भी जिम्मेदार माना जाय।

श्री रामलीला मंचन के लिये तैयारियां तेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती क्लब मैरेज हाल में आगामी 3 नवम्बर से श्रीरामलीला मंचन हेतु आयोजित श्री रामलीला आयोजन समिति की बैठक सनातन धर्म संस्था बस्ती द्वारा रोडवेज स्थित श्री हरि मैरिज हाल में सम्पन्न हुई। प्रभु श्री राम जी की स्तुति और पुष्पार्चन के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। आयोजन समिति द्वारा अभी तक कि गयी तैयारियों की विधिवत समीक्षा की गई। आयोजन को जन जन से जोड़ने हेतु और भी प्रभावी ढंग से कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। इस सप्ताह में समिति के सदस्य उन सभी विद्यालयों का निरीक्षण करने जाएंगे जहाँ तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है। आयोजन में विद्यालय को लाये कार्यों के लिए विभिन्न प्रकोष्ठों का निर्धारण सुनिश्चित किया गया। कार्यक्रम के प्रसार हेतु अब सघन स्तर पर मुहल्ला बैठक व प्रभातफेरी के माध्यम से शहर के अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम के

सन्निकट रथ का निर्माण किया जाएगा जो जिले के भिन्न भिन्न मार्गों पर जाकर जागरूकता का कार्य करेगा। इस अवसर पर रामलीला पोस्टर को डीपी, सोशल मीडिया में प्रसार करने की मुहिम का शुभारंभ किया गया। श्री रामलीला महोत्सव के पोस्टर को वाहन, घरों, प्रतिष्ठानों, विद्यालयों पर लगाने का आवाहन भी किया गया और पत्रक का वितरण प्रारम्भ हुआ।

बैठक में धन संग्रह, सात्विक जनों को जोड़ने, दर्शकों के लिए उत्तम वातावरण तैयार करने, ऑनलाइन माध्यम से लाइव करने, महाबैठक व शोभायात्रा की तैयारी को लेकर चर्चा हुई।

बैठक में मुख्य रूप से कर्नल के सी मिश्र, रमेश पाल सिंह, डॉ0 आशीष नारायण तिवारी, सुनीत पाण्डेय, डॉ0 शैलेश सिंह, अखिलेश दूबे, गोपेश्वर त्रिपाठी, अनिल तिवारी, सत्यप्रकाश सिंह, कैलाश नाथ दूबे, अतुल चित्रगुप्त, सुशील मिश्र, श्याम नारायण चौधरी, मुक्तेश्वर नाथ आजाद, संजय उपाध्याय, गोपेश पाण्डेय, राम दरश, मनीष सिंह, हरीश त्रिपाठी, डॉ0 वीरेन्द्र त्रिपाठी, अंकुर यादव, राम कमल सिंह, भोलानाथ चौधरी, उमंग शुक्ल, धीरज सरीन, जे के शाही, अनुराग शुक्ल, पंकज त्रिपाठी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 अक्टूबर 2024 सोमवार

सम्पादकीय

आभासी मुद्रा का मायाजाल

आज का युग तकनीकी तथा नवाचार का युग है। वैश्विक स्तर पर हर देश में आज तकनीकी नवपरिवर्तन से दो–चार हो रहा हैं। तकनीकी परिवर्तन ने एक नये अध्याय क्रिप्टो करेंसी के रूप में विकासशील देश के सामने परोस कर रख दिया है। इन परिस्थितियों में जब भारत जैसे विकासशील देश में बड़ी संख्या में नागरिकों को इंटरनेट और मोबाइल के संपूर्ण ज्ञान की ही समझ–परख नहीं है ऐसे में क्रिप्टो करेंसी का मायाजाल एक अबूझ पहली बनकर सामने आया है जिससे न जाने कितने लोगों के रुपयों से शातिर साइबर ठग अपनी जेबें में भर सकते हैं। आज क्रिप्टो करेंसी के बारे में खुलकर उसे आमजन को अवगत कराकर उसका कानूनी विश्लेषण किया जाना अत्यंत आवश्यक प्रतीक होता है। तकनीकी परिवर्तन के कारण देश में हर क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन हो रहा हैस ऐसा ही एक नया प्रयोग,नवाचार आभासी मुद्रा यानी क्रिप्टो करेंसी का आर्थिक क्षेत्र में पदार्पण हुआ है। क्रिप्टो करेंसी के सिक्के के भी दो पहलू हैं एक पहलू में बहुत सारे लाभ हैं और दूसरे पहलू में आर्थिक संदर्भ में चुनौतियां या सुरक्षा अंतर्निहित है। इसको अपनाने से पहले या इसे स्वीकार करने से पहले इसके कानूनी पक्ष और विधि सम्मत स्वीकार्यता पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी।

क्रिप्टोकरंसी एक डिजिटल मुद्रा है, जिसे ना तो देखा जा सकता है ना ही चुन सकते न मुद्रा की भांति जेब में या पर्स में रखा जा सकता है, क्योंकि इसकी हार्ड कॉपी या मुद्रित रूप उपलब्ध ही नहीं है। यह करेंसी भौतिक रूप से उपलब्ध ना होने के कारण इसे आभासी मुद्रा कहा जाता है। यह एक स्वतंत्र किस्म की मुद्रा है इसका संचालन व नियमन किसी संस्था या सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता इसे विकेंद्रीकृत मुद्रा भी कहा जाता है। यह एक डिजिटल मुद्रा है। यह एक ऐसी मुद्रा है जिसे कंप्यूटर एल्गोरिथ्म के आधार पर बनाया जाता है। किसे केवल कंप्यूटर में ही देखा जा सकता है गिना जा सकता है एवं भुगतान किया जा सकता है। यह मुद्रा सरकारी नियंत्रण से मुक्त है। विश्व में सबसे पहले 2009 में जापान के सतोषी नाकमोतो द्वारा बनाई गई थी। वर्तमान में बाजार में 1500 से भी ज्यादा क्रिप्टो करेंसी उपलब्ध है, जो पियर टू पियर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के रूप में काम करती है। वर्तमान में क्रिप्टोकरंसी काफी लोकप्रिय होती जा रही है इसकी लोकप्रियता का कारण एक यह भी है कि यह गोपनीयता बनाए रखने में सहायक होती है। जिसके लेन देन में छद्म नाम एवं पहचान बनाई जाती है। ऐसे में निजता तो लेकर अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तियों को यह व्यवस्था बहुत उपयुक्त लगती है। इसके लेनदेन में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आर्थिक बोझ कम पड़ता है। जिसके लेन देन में थर्ड पार्टी के सर्टिफिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है। इसके लेनदेन में समय तथा धन की बहुत ज्यादा बचत होती है। सामान्य बैंक खातों की तरह इसमे किसी भी प्रकार के कागजात की आवश्यकता भी नहीं होती है। बैंकिग प्रणाली तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लेनदेन पर सरकार का कड़ा नियंत्रण होता है, जबकि यह राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम के प्रत्यक्ष नियंत्रण के बाहर होने कारण लेनदेन के आदान–प्रदान का विश्वसनीय एवं सुरक्षित माध्यम बनकर उभरा है। सरकार के पास बैंक खाते को जप्त करने का अधिकार होता है, जबकि की क्रिप्टो करेंसी के मामले में ऐसा नहीं कर सकती अतः सरकार से बचाव के प्रभावशाली विकल्प के रूप में इस मुद्रा का प्रयोग किया जा रहा है। साथ ही नोटबंदी एवं मुद्रा के अवमूल्यन का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

यह डिजिटल करेंसी है, अतः इसमें धोखाधड़ी की संभावनाएं बहुत कम होती है। या निवेश के लिए इस प्लेटफार्म पर अधिक पैसा होने पर क्रिप्टोकरंसी में निवेश करना लाभप्रद माना जा रहा है, क्योंकि इसकी कीमतों में बहुत तेजी से उछाल होता है। क्रिप्टो करेंसी राशि सीमाओं से परे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही कम लागत पर एक देश से दूसरे देश को पैसा भेजने के लिए सुगम साधन बन चुका है। 2009 में बिटकॉइन क्रिप्टो करेंसी की शुरुआत हुई थी। वर्तमान में एक बिलियन बिटकॉइन इंटरनेट के नेटवर्क में समाहित है, तथा नए बिटकॉइन का लगातार आगमन हो रहा है। आज प्रत्येक बिटकॉइन का मूल्य ₹500 है, जो दुनिया की सबसे महंगी करेंसी मानी जाती है। कुछ लोग इसे गोल्डरश के नाम से भी पुकारते हैं। वर्ष 2014 से माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सेवाओं के लिए बिटकॉइन के रूप में भुगतान लेना शुरू कर दिया है। निकोसिया विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के प्रवेश शुल्क के रूप में बिटकॉइन करेंसी स्वीकार किया था । 2018 प्रशांत महासागर में स्थित मार्शल द्वीप क्रिप्टो करेंसी के लीगल टेंडर को मान्यता देने वाला पहला वैश्विक देश है। वेनेजुएला ने भी क्रिप्टो करेंसी की तर्ज पर पेट्रो नामक एक करेंसी प्रारंभ की है ऐसा करने वाला विश्व का पहला संप्रभुता वाला देश है। कई देशों में इसे आर्थिक संकट से उबारने वाला उपाय की तरह देखा जा रहा है। विश्व के कई देश इसकी पारदर्शिता तथा विधि स्वीकार्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं। कई देशों ने इस पर प्रतिबंध लगा रखा है उसे मान्यता प्रदान नहीं की है। भारत ने भी अभी इसे किसी भी तरह की मान्यता प्रदान नहीं की है।

भारतीय संदर्भ में आभासी मुद्रा में उच्च स्तर की अनिश्चितता एवं के कारण भारत सरकार का दृष्टिकोण प्रतिबंधात्मक ही रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 1913 में पहली बार इस संदर्भ में चेतावनी जारी की थी फिर 2017 में रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में जनता को आगाह कर इससे सावधान रहने के लिए कहा है। रिजर्व बैंक के अंदर क्रिप्टो करेंसी के संचालन में आर्थिक, वित्तीय, परिचालनात्मक कानून ग्राहक संरक्षण और उसकी सुरक्षा संबंधी जोखिम मौजूद हैं। रिजर्व बैंक द्वारा किसी प्रकार की क्रिप्टो करेंसी को मान्यता प्राधिकार या लाइसेंस नहीं दिया है। क्रिप्टो करेंसी पर प्रतिबंध और अधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक 2019 के ड्राफ्ट में यह प्रस्ताव दिया गया है कि देश में क्रिप्टोकरंसी की खरीद बिक्री करने वालों को 10 वर्ष की जेल की सजा होगी। इस प्रकार भारत में सभी प्रकार के क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध ा है। भारत सरकार ने इसे मान्यता नहीं दी है। क्योंकि क्रिप्टो करेंसी काले धन को छुपाने का एक बड़ा जरिया भी हो सकता है तथा सरकार को इस को प्रतिबंधित करने के लिए और कड़े नियम कानून बनाने की आवश्यकता होगी।

इसमें सबसे बड़ी हानि होती है कि इसका कोई भौतिक अस्तित्व नही है और इसका मुद्रण भी नहीं किया जा सकता है ।मतलब स्पष्ट है कि यह करेंसी के रूप में छापी भी नहीं जा सकती और ना ही इसकी कोई पासबुक या अकाउंट ही जारी किया जा सकता है। इसका प्रयोग अवैध कार्यों के लिए जैसे अवैध हथियार खरीदी, मादक पदार्थों के व्यापार, आतंकवादी गतिविधियों में मनी लांड्रिंग आदी में किए जाने की संभावना बढ़ जाती है अतः इस पर पूर्णत प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

कार्बन खेती किसानों के लिए लाभ का द्वार

–प्रियंका सौरभ–

छोटे पैमाने के किसानों के लिए, कार्बन बाजार खेती के तरीकों को बेहतर बनाने, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल होने और वैश्विक जलवायु समाधानों में उनके योगदान का अवसर प्रदान करते हैं। कई कार्बन परियोजनाओं का उद्देश्य वनों, आर्द्रभूमि और अन्य पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा और उन्हें बहाल करना है। ये पारिस्थितिकी तंत्र जैव विविधता के महत्वपूर्ण स्रोत हैं और छोटे किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के अवसर प्रदान कर सकते हैं। देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले छह दशकों से भारतीय कृषि में गहन खेती की प्रथाएँ अपनाई गई हैं। इसके परिणामस्वरूप देश भर में प्रमुख खेती योग्य भूमि में मिट्टी के कार्बनिक कार्बन में महत्वपूर्ण कमी, मिट्टी की उर्वरता में गिरावट और रासायनिक प्रदूषण हुआ है। इसके अलावा, प्रमुख अनाजों की एकल–फसल खेती के साथ गहन खेती ने जैव विविधता को नुकसान पहुँचाया और भूजल संसाधनों की कमी हुई। इन खेती प्रथाओं ने ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में भी वृद्धि की है जो ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है। भारत का कृषि वानिकी क्षेत्र कार्बन वित्त परियोजनाओं के साथ एकीकरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, विशेष रूप से वनरोपण, पुनर्वनरोपण और पुनर्वनीकरण पहलों के माध्यम से।

कृषि में कार्बन क्रेडिट बाजार अभी प्रारंभिक अवस्था में है और इसके लिए सख्त नियामक प्रणाली की आवश्यकता है। छोटे पैमाने के किसान जो कम कार्बन और वनों की कटाई से मुक्त पद्धतियों को लागू करते हैं, वे कार्बन बाजारों से लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में हैं। कार्बन बाजार उन किसानों को मुआवजा देने या प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन प्रदान करते हैं जो महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि ग्रीनहाउस गैसों को अलग करना या टिकाऊ खेती प्रथाओं का उपयोग करना। कार्बन पृथक्करण से परे, कार्बन वित्त परियोजनाओं के तहत कृषि वानिकी मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है, जल प्रतिधारण में सुधार करती है और कटाव को कम करती है, जिससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह क्षरित भूमि को बहाल करके तथा जलवायु संबंधी जोखिमों के विरुद्ध एक बफर प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।

कार्बन वित्त परियोजनाओं के माध्यम से कार्बन पृथक्करण कार्बन को अलग करने की कृषि वानिकी की क्षमता इसे कार्बन वित्त पहलों का एक केंद्रीय घटक बनाती है। कार्बन वित्त परियोजनाओं में पेड़ लगाना या कृषि परिदृश्य में वृक्ष आवरण को बढ़ाना शामिल है, जिससे किसान कार्बन पृथक्करण गतिविधियों के माध्यम से कार्बन क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। 2050 तक कृषि वानिकी क्षेत्र को 53 मिलियन हेक्टेयर तक विस्तारित करना बड़े पैमाने पर कार्बन पृथक्करण और वैश्विक कार्बन बाजारों में भागीदारी का अवसर प्रस्तुत करता है। कार्बन वित्त परियोजना पहल आय विविधीकरण की क्षमता भी प्रदान करती है, विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए। हालांकि, छोटे किसानों को अभी भी कार्बन बाजारों से बड़े पैमाने पर लाभ नहीं मिला है – मुख्य रूप से कम कीमतों की पेशकश और व्यापार योग्य, अद्वितीय और सत्यापन योग्य कार्बन क्रेडिट बनाने की उच्च लागत के कारण। इसके अलावा, कार्बन बाजारों में भाग लेने के लिए समय और संसाधनों के महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि कार्बन बाजार कार्बन पृथक्करण के लिए वित्तीय लाभ प्रदान कर सकते हैं, लेकिन किसानों द्वारा वहन की जाने वाली लागतों को कवर करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन अपर्याप्त हो सकते हैं। फिर भी, बाजार तेजी से बदल रहा है, और नई प्रौद्योगिकियां जो संभव है उसकी सीमा का विस्तार कर रही हैं।

कार्बन पृथक्करण से परे, कार्बन वित्त परियोजनाओं के तहत कृषि वानिकी मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है, जल प्रतिधारण में सुधार करती है और कटाव को कम करती है, जिससे कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, यह क्षरित भूमि को बहाल करके तथा जलवायु संबंधी जोखिमों के विरुद्ध एक बफर प्रदान करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है। कृषि वानिकी का समर्थन करने वाली सरकारी नीतियाँ जैसे राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति, 2014 भारत में कृषि वानिकी के विस्तार के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। कार्बन वित्त के साथ आगे एकीकरण के लिए, इस नीति को कार्बन वित्त परियोजनाओं पहलों का स्पष्ट रूप से समर्थन करने तथा कार्बन बाजारों तक पहुँच को सुगम बनाने के लिए संशोधित किया जाना चाहिए। कार्बन पृथक्करण के लिए सब्सिडी और वित्तीय सहायता, वित्तीय प्रोत्साहन, जैसे कि पेड़ लगाने या वन आवरण को बनाए रखने के लिए सब्सिडी, छोटे किसानों को व्यवस्थित रूप से कृषि वानिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। क्षमता निर्माण और जागरूकता अभियान कृषि वानिकी और कार्बन वित्त के लाभों के बारे में किसानों को शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। विस्तार सेवाएँ और गैर सरकारी संगठन सूचना प्रसारित करने और तकनीकी सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जिससे छोटे और सीमांत किसान कार्बन वित्त पहलों में भाग ले सकें।

निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जैसे सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और अंतर्राष्ट्रीय कार्बन वित्त प्लेटफार्मों के साथ जुड़ना कृषि वानिकी–आधारित कार्बन वित्त परियोजनाओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। केरा और गोल्ड स्टैंडर्ड जैसे वैश्विक प्लेटफार्मों को भारत–केंद्रित मानकों की आवश्यकता को पहचानने की आवश्यकता है जो छोटे किसानों की कृषि की अनूठी चुनौतियों को ध्यान में रखते हैं। भारत में कृषि वानिकी में कार्बन पृथक्करण, पर्यावरणीय स्थिरता और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान करने की अपार क्षमता है। भारत में कृषि क्षेत्र के लिए स्वैच्छिक कार्बन बाजार (वीसीएम) को बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है, ताकि छोटे और सीमांत किसानों को कार्बन क्रेडिट लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। किसानों को कार्बन बाजार से परिचित कराने से उनकी आय में वृद्धि के साथ–साथ पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों की स्वीकृति में तेजी आ सकती है। किसान टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपना सकते हैं और कार्बन क्रेडिट से अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही मिट्टी, पानी, जैव–विविधता आदि जैसी बेहतर प्राकृतिक पूंजी के संदर्भ में अन्य कृषि–पारिस्थितिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि में कार्बन क्रेडिट बाजार अपनी प्रारंभिक अवस्था में है और इसके लिए सख्त निगरानी और नियामक प्रणाली की आवश्यकता है। ऐसी चिंताएं हैं कि असममित जानकारी, पारदर्शिता की कमी और अपर्याप्त विनियमन कार्बन क्रेडिट के लिए अनुचित मूल्य निर्धारण प्रथाओं को जन्म दे सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आय कम हो सकती है। इसके अतिरिक्त, किसानों और ग्रामीण समुदायों में ज्ञान और जागरूकता की कमी उनके शोषण का कारण बन सकती है। देश में इस बारे में पारदर्शिता, विनियमन और व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत उपायों की तत्काल आवश्यकता है। देश में कुशल और पारदर्शी कामकाज के लिए ये प्रणालियाँ आवश्यक हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इच्छित लाभ किसानों तक पहुँचें। कृषि क्षेत्र में स्वैच्छिक कार्बन बाजारों के लिए रूपरेखा कृषि समुदाय के बीच कार्बन बाजार को बढ़ावा देने, टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने और वित्तपोषित करने में मदद करेगी। वीसीएम रूपरेखा का मुख्य उद्देश्य हितधारकों को जागरूक बनाना और उनका क्षमता निर्माण करना, किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आगे चलकर यह सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देगा, ग्रामीण आजीविका में सहायता प्रदान करेगा और कृषि में लचीलापन बढ़ाएगा।

सनातन धर्म के नाम पर राजनीति

–नीरज कुमार दूबे–

दक्षिण की राजनीति में दो राजनेता हाल के समय में तेजी से उभर कर आये हैं। एक हैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन जिन्होंने सनातन धर्म का विरोध कर अपना राजनीतिक कॅरियर चमकाया और राज्य के उपमुख्यमंत्री पद पर जा पहुँचे। दूसरे नेता हैं फिल्मों से राजनीति में आये पवन कल्याण जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पद पर जा पहुँचे। अब स्थिति यह है कि एक उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण चेतावनी देते हैं कि सनातन को मिटाने की इच्छा रखने वाले खुद मिट जायेंगे तो जवाब में दूसरे उपमुख्यमंत्री उदयनिधि कहते हैं कि देखते हैं।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष पवन कल्याण की 'सनातन धर्म' संबंधी टिप्पणी पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए सिर्फ इतना कहा, ''देखते हैं और इंतजार करते हैं।श्श जब पत्रकारों ने पवन कल्याण की चेतावनी पर उदयनिधि की प्रतिक्रिया मांगी, तो उन्होंने कहा, ष्ठीक है, इंतजार करते हैं और देखते हैं।श्श हम आपको याद दिला दें कि उदयनिधि ने पिछले साल 'सनातन' के 'उन्मूलन' की अपील की थी, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने पिछले साल सितंबर में यह टिप्पणी करके राजनीतिक आक्रोश पैदा कर दिया था कि श्सनातन धर्मश् को मिटा दिया जाना चाहिए। इस धर्म को मच्छरों, डेंगू, मलेरिया, बुखार और कोरोना के बराबर बताते हुए उन्होंने कहा था कि इसे उन बीमारियों की तरह खत्म कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म का समूल नाश दरअसल मानवता और समानता को बनाए रखने के हित में होगा। उदयनिधि ने बाद में स्पष्ट किया था कि उन्होंने कभी भी श्सनातन धर्मश् का पालन करने वाले लोगों के नरसंहार का आह्वान नहीं किया। हालांकि उन्होंने कहा कि यह धर्म लोगों को जाति एवं धर्म के नाम पर विभाजित करता है।

सनातन का मतलब स्थायी, अनन्त भगवान, भगवान शिव, अमर, लगातार, प्राचीन, एक और ब्रह्मा, विष्णु और शिव के नाम होता है। स्थायी, अनन्त भगवान, भगवान शिव, अमर, लगातार, प्राचीन, एक और ब्रह्मा, विष्णु और शिव के नाम मतलब होने के कारण सनातन नाम बहुत सुंदर बन जाता है। आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में मिलने वाले प्रसाद के लड्डू में मिलावट को लेकर पूरे देश में गुस्सा है. करोड़ों सनातन प्रेमियों की आस्था के केंद्र भगवान तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलावट की रिपोर्ट आने के बाद से सियासी धर्म युद्ध छिड़ गया है। सवाल आस्था से खिलवाड़ का है. वो भक्त जिनके चढ़ावे से तिरुपति बालाजी दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों में से एक बना है. वो भक्त जो अपने साथ सिर्फ प्रसाद लेकर नहीं जाते बल्कि प्रसाद के रूप में भगवान का आशीर्वाद लेकर जाते हैं. इसलिए ये खबर सीधे तौर पर करोड़ों श्रद्धालुओं से जुड़ी है. ऐसे में सवाल है कि आखिर उनकी आस्था से खिलवाड़ का जिम्मेदार कौन है?

जहां तक पवन कल्याण के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा था कि 'सनातन धर्म' का विरोध करने वालों का सफाया हो जाएगा। जनसेना पार्टी के प्रमुख ने कहा था कि आप सनातन धर्म को खत्म नहीं कर सकते। अगर कोई सनातन धर्म को खत्म करने की कोशिश करेगा, तो बता दूं, आप खत्म हो जाएंगे। पवन कल्याण ने तिरुपति लड्डू विवाद पर घ्वराही घोषणाष पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''यह मत कहिए कि सनातन धर्म एक वायरस की तरह है और यह नष्ट कर देगा... जिसने भी यह कहा है, मैं आपको बता दूं सर... आप सनातन धर्म को मिटा नहीं सकते। अगर कोई सनातन धर्म को मिटाने की कोशिश करता है, तो मैं आपको बता दूं, भगवान बालाजी के समक्ष कह रहा हूं, आप मिट जाएंगे।''

पवन कल्याण ने साथ ही लड्डू में मिलावट के मुद्दे को पिछले पांच सालों से ''सनातन धर्म'' पर किया जा रहा हमला बताया। हम आपको बता दें कि पवन कल्याण ने इस सप्ताह तिरुमला मंदिर में अपनी 11 दिवसीय तपस्या (प्रायश्चित दीक्षा) संपन्न की थी जो उन्होंने पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार के कथित पापों का प्रायश्चित करने के लिए की थी।

बहरहाल, दक्षिण की राजनीति में धर्म पहले इतनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाता था जितनी अब देखी जा रही है। देखना होगा कि पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन के बीच शुरू हुई यह राजनीतिक जंग किस मुकाम पर पहुँचती है। अच्छा हो कि धर्म और आस्था के नाम पर चालू राजनीति पर विराम लगाया जाय।

असली जीत तो जम्मू–कश्मीर की होगी

–अर्जुन शर्मा–

आज साफ–साफ बात करने का समय आ गया है। जम्मू–कश्मीर के विधानसभा चुनावों का नतीजा कुछ भी आए व किसी की भी सरकार बने पर यह तय है कि चुनावी प्रक्रिया व नतीजे कई मायनों में जम्मू–कश्मीर से जुड़ी बहुत–सी भ्रांतियों व वर्जनाओं को तोडने वाले साबित होने जा रहे हैं। सही समझें तो ये नतीजे जम्मू–कश्मीर के नव–निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहें हैं। इसके साथ–साथ यदि किसी स्वप्निल नव–निर्माण का सपना देखना हो तो उसके अतीत में दफन कुछ कड़वी सच्चाइयों पर दृष्टिपात भी कर लेना अच्छे भविष्य की सुरक्षा व उसके महत्व को समझने के लिए शुभ होता है।

चलिए उस खोज को आपके सामने रखते हैं जो आपको उस ड्डश्वबदू तक ले जाएगी जो कश्मीर में अलगाव के दरिया का सबसे पहले का स्रोत रहा, जहां से इसको पहली ड्डश्वचगारी मिली। ये खोज जम्मू–कश्मीर में 1987 को हुए विधानसभा चुनाव के बारे में है। तब हालात सामान्य दिखते थे। फिल्मों के शूटिंग शैड्यूल 1988 तक इस तरह के थे जैसे गर्मी के मौसम में पहलगाम दूसरा मुंबई हो। पर वहां की जनता के मन में सरकारों की कारगुजारी से बहुत निराशा व गुस्सा था। लोकतंत्र की यही खूबसूरती भी होती है कि जनता के मन का गुस्सा और गुबार वोट के माध्यम से निकल जाता है तो मानो सरकार बदलकर जनता के मन के प्रैशर कूकर की सीटी सारी भाप को रिलीज कर देती है।

दुर्भाग्य से ऐसा 1987 के चुनाव में जम्मू–कश्मीर में न हो सका। तब केंद्र में राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सर्वशक्तिमान सरकार थी। इधर कश्मीर में शेख शाही का कुनबा लगातार सत्ता में बना हुआ था। 1987 में जम्मू–कश्मीर में नैशनल कांफ्रेंस (नैकां) व कांग्रेस पार्टी ने मिलकर गठबंधन वाला चुनाव लड़ा। विधानसभा की कुल 76 सीटों पर कांग्रेस 31 सीटों पर लड़ी व नैकां 45 सीटों पर। इनके विरोध में कोई दूसरा राजनातिक दल तो टक्कर देने में सक्षम नहीं था पर कश्मीर की जनता में इस गठबंधन के खिलाफ गहरा असंतोष था। तब विभिन्न छोटे दलों या संस्थाओं के प्रतिनिधियों के तौर पर जम्मू–कश्मीर के युवाओं ने कमर कस ली परन्तु तकनीकी तौर पर उनका संगठन न होने के चलते वे निर्दलीय की श्रेणी में मान लिए गए।

जिस प्रकार मौजूदा चुनाव में निर्दलीयों का काफी बोलबाला है, 1987 के चुनाव में तो उससे भी बहुत ज्यादा था। उस समय 344 निर्दलीय चुनाव मैदान में थे। वे एक–दूसरे से जुड़े थे पर उनका मजबूत राजनीतिक संगठन नहीं था। उस चुनाव में इस हद तक धांधली के समाचार आए कि पूरे देश के अखबार इस चुनाव में हुई गड़बड़ी से भरे हुए थे। जैसी कि आम धारणा है कि कश्मीर में लोग 15 से 18 फीसदी ही वोट देते हैं उसके विपरीत 1987 में जम्मू–कश्मीर का मतदान 74. 88 फीसदी रहा। कांग्रेस ने 31 सीटों पर चुनाव लड़कर 26 सीटें जीतीं, कांग्रेस को मिला मत प्रतिशत 20.20 फीसदी था। नैकां ने 45 सीटों पर चुनाव लड़ा जिनमें से 40 जीतीं और वोट फीसदी रहा 32.98 फीसदी। आजाद प्रत्याशियों ने सभी 76 सीटों पर चुनाव लड़ा परन्तु सीटें मिलीं 8 और मत प्रतिशत 34.76 फीसदी रहा।

इन नतीजों ने उन हारे नौजवानों, जिन्होंने व्यवस्था बदलने के लिए चुनाव लड़ा व सिस्टम ने हरवाने के बाद उनका जिस प्रकार थानों में उत्पीडन किया उस बेइज्जती को वे सहन नहीं कर पाए। याद कीजिए कि क्या 1987 में कभी कश्मीर में पत्थर चलते थे, गोलियां चलती थीं? अलगाव की कोई तेज बहने वाली हवा भी न थी। अमीरा कदल सीट से चुनाव हारा निर्दलीय मोहम्मद यूसुफ शाह बाद में सलाहुद्दीन बन गया व कितने हजार युवकों को उसने हथियार दिए, गिनती ही नहीं है।

गला काटकर युवती के शव को बोरी में भरा बीच सड़क पर खून से सनी मिली लाश

संवाददाता–गोण्डा। कटरा बाजार में रविवार सुबह थाना क्षेत्र के सेल्हरी गांव के पास सड़क किनारे बीस वर्षीय युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि किसी धारदार हथियार से गला रेतकर युवती की हत्या करके उसका शव सड़क किनारे सुनसान जगह पर फेंक दिया गया है। सुबह ग्रामीणों के देखने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस युवती की पहचान खोजने में जुट गई है। पहचान होते ही परिजनों को हत की जानकारी दी जाएगी। मौके पर प्रभारी थानाध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि युवती की पहचान अभी नहीं हो पाई है। शव देखने से यह पता चलता है कि किसी धारदार हथियार से हत्या की गई है और शव को यहां फेंक दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और युवती की शिनाख्त के लिए प्रयास किया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय, सीओ करनैलगंज मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। एएसपी ने बताया की युवती जींस और टॉप पहने हुई थी। गला काटकर उसकी हत्या की गई है। फिलहाल उसकी शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। इसके लिए आसपास के जिलों से भी संपर्क साधा गया है। पुलिस ने आसपास के जिलों के थानों से लापता की रिपोर्ट निकलवाई है। जिन युवतियों के खोने की रिपोर्ट दर्ज है उनसे शव की पहचान करने की कोशिश की जाएगी। साथ ही पुलिस ने शव की फोटो आस–पास के थानों में पहचान के लिए भिजवाई है। पुलिस ने आस–पास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी तलाश शुरू कर दी है जिससे पता चल सके कि शव यहां कब और कौन फेंक गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

कन्या जन्मोत्सव मनाकर समझाया बेटियों का महत्व

संवाददाता–श्रावस्ती। मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के तहत रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भिनगा में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डीएम व एसपी ने केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान कन्या भ्रूण हत्या, लिंगानुपात व बालिका शिक्षा के प्रति जागरुक करते हुए बेटा–बेटी में भेदभाव न करने के लिए प्रेरित किया गया।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने नवजात शिशुओं की माताओं को अंगवस्त्र व उनके परिजनों को बेबी किट व मिष्ठान वितरित किया। डीएम ने कहा कि लड़का–लड़की में भेदभाव न करें। दोनों को समान शिक्षा दें। जिससे बेटियां भी अपने पैरों पर खड़े होकर परिवार, समाज व देश का नाम रोशन करें। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान भारत सरकार व प्रदेश सरकार की महात्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं के लिंगानुपात को बराबर करना है। कन्या जन्मोत्सव का उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना है तथा समाज में बालिका के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है।

वहीं एसपी ने कहा कि बेटियों को जन्म लेने और कन्या भ्रूण हत्या जैसे सामाजिक जघन्य अपराध रोकने के उद्देश्य से जन जागरूकता के लिए महिला कल्याण विभाग की ओर कन्या जन्मोत्सव मनाया जा रहा है।

बकरी का शिकार करने आया था भेड़िया, गांववालों ने घेरा फिर पीट–पीटकर मार डाला

संवाददाता–बहराइच। महसी तहसील के करीब 50 गांव में आतंक का पर्याय बने आदमखोर भेड़ियों के झुंड के छठे और आखिरी सदस्य को रामगांव थानांतर्गत तमाचपुर गांव में शनिवार–रविवार की दरमियानी रात ग्रामीणों ने पीट–पीट कर मार डाला। बहराइच के प्रभागीय वन अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने रविवार सुबह इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मारा गया भेड़िया आदमखोर भेड़ियों के झुंड का वही छठा और अंतिम सदस्य है जिसकी वन विभाग को तलाश थी। उन्होंने बताया कि भेड़िए के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

सिंह ने बताया कि शनिवार देर रात हमें जानकारी मिली कि महसी तहसील के रामगांव थानांतर्गत तमाचपुर गांव में एक भेड़िए को लोगों ने मार डाला है। हम लोग वहां पहुंचे तो हमें मृत भेड़िया तथा एक बकरी का शव बरामद हुआ। भेड़िए के शरीर पर चोट के निशान थे और खून बह रहा था। नजदीक से देखने पर पाया गया कि मृत भेड़िया एक वयस्क मादा थी।

उन्होंने कहा कि भेड़िया आबादी वाले इलाके में घुसा था और एक बकरी को उठाकर ले जा रहा था। रास्ते में गांव वालों ने उसे घेरकर मार डाला। मृत भेड़िए को पोस्टमार्टम के लिए रेंज कार्यालय लाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यदि कोई विशेष अतिरिक्त जानकारी सामने आई तो उसे साझा किया जाएगा।

सिंह ने बताया कि उधर तमाचपुर गांव के कुछ ग्रामीणों ने पत्रकारों से बताया कि भेड़िए ने गांव में एक घर के आंगन में मां के पास सो रहे मासूम बच्चे पर हमला करने की कोशिश की थी लेकिन मां के चिल्लाने की आवाज सुनकर भेड़िया भाग निकला और वहीं एक बकरी पर हमला कर दिया। गांव में भेड़िया आने की सूचना पाकर सतर्क हुए ग्रामीणों ने उसे घेर लिया और पीट–पीट कर मार डाला।

बहराइच के महसी तहसील अंतर्गत घाघरा नदी के कछार में स्थित 50 गांवों के हजारों नागरिक तकरीबन दो महीने से भेड़ियों के हमलों से दहशत में थे। गत 17 जुलाई से सात बच्चों सहित आठ लोगों की हमलों से मौत हुई है जबकि करीब 36 लोग भेड़िए अथवा अन्य जानवरों के हमलों से घायल हुए थे।

वन विभाग के अनुसार छह आदमखोर भेड़ियों का एक झुंड गांव के लोगों पर हमले कर रहा था। इनमें से पांच को पहले ही पकड़ा जा चुका है जबकि झुंड का एक मात्र भेड़िया अभी पकड़ा जाना शेष था। झुंड का पांचवा भेड़िया 10 सितम्बर को पिंजरे में कैद कर चिड़ियाघर भेजा गया था।

एजुकेटर भर्ती के विरोध में कार्यकर्त्रियों ने की बैठक, बुलंद की आवाज

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा के रतनपुर ब्लाक में आंगनबाड़ी संगठन नौतनवा की ओर से ईसीसीई एजुकेटर भर्ती के विरोध में बैठक की गई। इस दौरान कार्यकर्त्रियों ने भर्ती रद्द कराने के लिए आंदोलन को तेज करने की रणनीति बनाई। कहा कि यह आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए अन्याय है और इसे नहीं होने दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष छाया भारती ने कहा कि सरकार अपनी इस गलत नीति से कार्यकर्त्रियों व सहायिकाओं के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। कार्यकर्त्रियों का मुख्य कार्य ही बच्चों को खेल–खेल में शिक्षा देना व उनका समग्र विकास करना है। साथ ही आईसीडीएस के मूल 6 उद्देश्यों को भी हम पूरा कर रहे हैं। ऐसे में एजुकेटर पद पर आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा रखकर आईसीडीएस का निजीकरण करना सरकार की गलत नीति है। इसका डटकर विरोध किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष कुसुम कान्ति त्रिपाठी ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमारी ट्रेनिंग बच्चों को पढ़ाने की है। फिर अलग से एजुकेटर की भर्ती क्यों की जा रही है? हमें उसी कार्य के लिए 6000 रुपये मिलते हैं। जबकि एजुकेटर को 10 हजार रुपये से अधिक देने की बात की जा रही है। संगठन के बारे में जागरूक किया गया और ईसीसीई एजुकेटर भर्ती के विरोध में जारी आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष रिंकी देवी, कोषाध्यक्ष राजमती देवी, एडवोकेट रमाकान्ति त्रिपाठी, बुद्धेश्वरी देवी, उमाकांति, रानी दूबे, नीतू मिश्रा, चन्द्र प्रभा चौधरी, पूनम श्रीवास्तव, शोभा श्रीवास्तव, सीमा चौधरी, संगीता श्रीवास्तव, मंशा गुप्ता, रेखा गुप्ता आदि मौजूद रहीं।

प्रेम शरण महाराज से भगवान के जन्म की कथा सुन मंत्र मुक्त हुए श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर विराजमान रॉयल हेरिटेज में चार धाम सेवा समिति द्वारा आयोजित नव दिवसीय श्री राम कथा में श्री राघव प्रर्णकुटी अयोध्या धाम की प्रेम शरण महाराज ने व्यास पीठ से जैसे ही भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी का गान किया परिसर में उपस्थित संत महंत श्रद्धालु भक्तगण, प्रेम मई गंगा के आनंद में हिलोरे लेते हुए झूमने लगे पूरा वातावरण जन्म मत हो गया और ऐसा पति हो रहा था कि त्रेता युग की नवमी तिथि आज ही हो और पूरा श्रीराम हर्षणम राम मय हो गया। इसके पूर्व श्री महाराज जी ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज भगवान के जन्म के चार कारण बताएं और उन्होंने कहा कि पार्वती को श्रीराम कथा सुनाते हुए शिवजी कहते हैं कि जब–जब धर्म की हानि होती है और नीच अभिमानी राक्षस बढ़ जाते हैं, वे कई तरह की अनीति करते हैं, ब्राह्मण, गो, देवता और पृथ्वी वासियों को कष्ट देते हैं, तब–तब वे कृपा निधान प्रभु भांति–भांति के शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं,वे असुरों को मारकर सत्य को स्थापित करते हैं,वेदों की मर्यादा की रक्षा करते है और श्री रामचन्द्रजी के अवतार का यही कारण है।

श्री महाराज जी ने बताया कि भगवान श्री राम के जन्म के कारण में नारद जी का श्राप और मनु शतरूपा का भगवान को प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या भी है,यद्यपि परमात्मा के आने के मुख्य कारण तो भक्त है। भगवान भक्तों के लिए धरा धाम पर पधारते है मूलतः परमात्मा भक्तों के भाव के लिए प्रकट होता है। जब भाव उदित हो जाते हैं तब परमात्मा का प्राकट्य हो जाता है। कथा में भगवान का भाव जन्मोत्सव मनाया गया और जन्मोत्सव के बाद विश्राम बेला में मुख्य जजमान सहित सभी लोगों ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मदन जी ने बताया कि हम लोग तीर्थ में कथा निरंतर करते रहते हैं अयोध्या में रामलला का दर्शन कर ऐसा लगा जैसे साक्षात् प्रभु बात कर रहे हैं। दीपक जी ने बताया कि वर्तमान समय में हमारा सनातन खतरे में है सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए हम लोग निरंतर कथा करते रहते हैं और अपने धर्म की रक्षा के लिए हमें तैयार रहना होगा नहीं भी धर्मी जीने नहीं देंगे। आनंद अग्रवाल जी ने बताया कि हर तीर्थ में हम निरंतर कथा करते हैं और कथा के अंतिम दिन यज्ञ निश्चित हो जाएगा की अगली कथा कहां होगी।

धर्मांतरण की सूचना पर बरहज मिशन स्कूल पर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता, किया हंगामा

संवाददाता–देवरिया। जिले के बरहज नगर स्थित मिशन स्कूल में प्रार्थना सभा के दौरान धर्मांतरण की शिकायत पर हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता रविवार को स्कूल में पहुंचे। आपत्तिजनक सामग्री मिलने पर हंगामा किया। इसकी सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार रविन्द्र मौर्य मय फोर्स मौके पर पहुंचे। मिशन स्कूल स्थित चर्च में काफी दिनों से प्रार्थना सभा के दौरान धर्मांतरण की शिकायतें मिल रहीं थी। प्रार्थना सभा मे भारी भीड़ देख हिंदूवादी संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं को भी कुछ शक हुआ। प्रमोद मिश्र, जितेंद्र भारत, मुकेश पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सुबह करीब दस बजे स्कूल परिसर स्थित चर्च में पहुंचे। पहले पूछताछ की। इस दौरान कुछ आपत्तिजनक समग्री मिलने पर हंगामा शुरु कर दिया। आपत्तिजनक सामग्री की छिनने लगे। इसी भी प्रशासन व पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में किया। दोनों पक्षों को समझा बुझा कर शांत किया। नायब तहसीलदार ने बताया कि दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

चोरी करते पकड़े गए युवक का व्यापारियों ने मुंडवाया सिर

संवाददाता–बलरामपुर। शिवपुरा बाजार में रविवार दोपहर साढ़े 12 बजे चोरी करने गए युवक को व्यापारियों ने पकड़कर धुनाई कर दी। युवक का बाल मुंडवाकर उसे बाजार में घुमाया गया। यह घटना कई सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ललिया के प्रभारी निरीक्षक ने जांच कर एफआईआर दर्ज करने की बात कही है।

शिवपुरा बाजार में रवि कुमार गुप्ता परचून की दुकान करते हैं। रवि कुमार ने बताया कि दोपहर साढ़े 12 बजे उनकी दुकान में एक व्यक्ति घुस आया, जिसकी जानकारी उन्हें नहीं हो सकी। युवक दुकान के अन्दर घुसकर आवास में आ गया। इस घटना को रवि कुमार की पत्नी ने वीडियो कैमरे में देखकर शोर मचाया। शोर सुनकर तमाम व्यापारी मौके पर एकत्रित हो गए। सभी ने मिलकर युवक को पकड़ लिया। युवक ने अपना नाम पता नहीं बताया। व्यापारियों ने उसके सिर के बाल मुंडवा दिए। उसे पूरे बाजार में घुमाया गया। उसके बाद डायल 112 को सूचना देकर पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना की सूचना पाकर तमाम व्यापारी मौके पर एकत्रित हो गए। व्यापारियों ने पकड़े गए युवक का सिर मुंडवाकर बाजार में घुमवाया। युवक ने घर–घर माफी मांगी। कुछ लोगों का कहना था कि चोरी करते समय पकड़े गए युवक का हाथ पैर तोड़ दिया जाए तो कुछ लोग कानून के साथ खड़े रहे। वे कह रहे थे इसे पुलिस के हवाले कर दिया जाए। फिर भी कुछ मनबढ़ों ने उसे लाठी डंडे से पीटा। कुछ को दया आईतो उन्होंने उसे पानी भी पिलाया तो कुछ लोग उसे लात घूंसों से पीट रहे थे। वह बीच बीच में बेहोश हो जा रहा था। बृजानंद सिंह, प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि पकड़ा गया युवक नशेड़ी प्रवृत्ति का है। उसने शिवपुरा बाजार में रवि कुमार गुप्ता की दुकान से सूखी मिर्च चुराई थी। मामले की जांच की जा रही है। पकड़े गए अभियुक्त के विरुद्ध तुलसीपुर थाना में दो चोरी मुकदमे दर्ज हैं।

तार ठीक करते समय लगा करंट का झटका, मौत

संवाददाता–महराजगंज। आनंदनगर कस्बे के कल्याणपुर में रविवार को एक हादसा हो गया। रिश्तेदारी में आया एक युवक घर में बिजली का तार ठीक करते समय करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी जान चली गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आनंदनगर के कल्याणपुर में कैम्पियरगंज निवासी जैसराम का मकान बन रहा है। सिद्धार्थनगर के ग्राम मखतिया बाजार थाना खेसरहा निवासी उनका साला विजय प्रकाश राय यहां आया था। रविवार को वह बिजली का तार ठीक करते समय करंट की चपेट में आकर बेहोश हो गया। आनन–फानन

देर रात घर के अंदर पहुंचा विशालकाय मगरमच्छ, मचा हड़कंप

संवाददाता–बहराइच। जिले की तहसील मिहीपुरवा अंतर्गत कतर्नियाघाट के सुजौली रेंज के ग्राम पंचायत सुजौली के त्रिलोकीगोड़ी गांव में देर रात राजेंद्र यादव के घर में अचानक मगरमच्छ घुस गया। मगरमच्छ देख कर हड़कंप मच गया। आसपास सो रहे लोग मगरमच्छ के हमले से बाल–बाल बच गए। शोर और चीख–पुकार मचने पर देखते ही देखते पूरा गांव एकत्रित हो गया। मगरमच्छ निकलने की सूचना तत्काल ग्राम प्रधान सुजौली राजेश गुप्ता,वनकर्मियों और थाना सुजौली प्रभारी हरीश सिंह को दी गई। मौके पर सुजौली प्रधान राजेश गुप्ता,उप निरीक्षक रविशंकर ,हेड कांस्टेबल अफजल, वन दरोगा राघवेंद्र सिंह ,मुंशी मोहम्मद उमर ,वाचर हीरालाल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू करवाने की कोशिश की गई। देर रात से शुरू हुआ यह रेस्क्यू सुबह तक चलता रहा। इस दौरान कड़ी मशक्कत करने के पश्चात मगरमच्छ को रेस्क्यू किया जा सका। रेस्क्यू के पश्चात गांव के ही ट्रैक्टर ट्राली से मगरमच्छ को रेंज कार्यालय ले जाया गया है।

प्रतिबंधित प्लाटिक व थर्माकोल पकड़ा, 75 हजार जुर्माना

संवाददाता–गोण्डा। शहर के पुरानी सब्जी मंडी के निकट कारोबारी सुरेन्द्र कश्यप के यहां करीब एक कुंतल व चौक बाजार के एसआर ट्रेडर्स मोहम्मद शोएब की दुकान से सात किलो छह सौ ग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक व थर्माकोल पकड़े जाने पर 75 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है। पालिका गोण्डा के ईओ संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में दोनों दुकानों पर पालिका टीम की ओर से की गई छापेमारी में पकड़े जाने के बाद सब्जी मंडी निकट आरोपी से पचास हजार रुपये व एसआर ट्रेडर्स से 25 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है। टीम में डीपीएम नितेश राठौर, पांडेय बाजार चौकी इंचार्ज, स्वास्थ्य लिपिक फराज अहमद व अन्य शामिल रहे।

कार और बाइक की भिड़ंत में महिला की मौत

संवाददाता–गोण्डा। महराजगंज–आर्यनगर मार्ग पर तेज रफ्तार कार और मोटर साइकिल के आमने सामने की टक्कर में बाइक चालक सहित महिला सवार गंभीर रूप से घायल हो गईं। सीएचसी पहुंचाए जाने पर घायल महिला को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार को कब्जे में कर लिया है। खरगूपुर थाना क्षेत्र के रामनगर झिन्ना में पेट्रोल पंप के सामने मोटरसाइकिल व कार की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। बताया जाता है कि मोटरसाइकिल चालक उतरौला बलरामपुर निवासी अनिल कुमार पुत्र राम प्रसाद निवासी झाड़–फूंक करने जमुनी हरदोपट्टी में आया था। झाड़–फूंक करने वाली खरगूपुर क्षेत्र के देवतहा गांव की मालती देवी(50)पत्नी नन्हे को उसके मायके से लेकर जमुनही हरदो पट्टी से निकल कर सड़क पर आ रहा था।

इसी बीच महराजगंज की ओर से तेज रफ्तार में आ रही कार से जोरदार टक्कर हो गई। इसमें मोटर साइकिल चालक व महिला दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सहायक अभिलेख अधिकारी महोदय अयोध्या

कम्प्यूटर वाद सं.

डी 2024042300002050

अनिल कुमार आदि

बनाम

दया प्रकाश सिंह आदि

बनाम–1– दया प्रकाश सिंह पुत्र स्वर्गीय राम प्रताप सिंह निवासी सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या 2– गांवसभा द्वारा ग्राम प्रधान सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 08–10–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 08 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सहायक अभिलेख अधिकारी महोदय अयोध्या

कम्प्यूटर वाद सं.

डी 2024042300002051

अनिल कुमार सिंह आदि

बनाम

जय प्रकाश सिंह आदि

बनाम–1– जय प्रकाश सिंह 2– दया प्रकाश सिंह पुत्रगण स्वर्गीय राम प्रताप सिंह निवासी सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या 3– गांवसभा द्वारा ग्राम प्रधान सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 08–10–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 08 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सहायक अभिलेख अधिकारी महोदय अयोध्या

कम्प्यूटर वाद सं.

डी 2024042300002053

अनिल कुमार सिंह आदि

बनाम

जय प्रकाश सिंह आदि

बनाम–1– जय प्रकाश सिंह 2– दया प्रकाश सिंह पुत्रगण स्वर्गीय राम प्रताप सिंह निवासी सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या 3– गांवसभा द्वारा ग्राम प्रधान सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 08–10–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 08 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सहायक अभिलेख अधिकारी महोदय अयोध्या

कम्प्यूटर वाद सं.

डी 2024042300002054

अनिल कुमार सिंह आदि

बनाम

दया प्रकाश सिंह आदि

बनाम–1– दया प्रकाश सिंह पुत्र स्वर्गीय राम प्रताप सिंह निवासी सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या 2– गांवसभा द्वारा ग्राम प्रधान सरायरासी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 08–10–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 08 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 1091/2023

साहब सरन

बनाम

बलराम आदि

बनाम–1–बलराम चौरसिया पुत्र छोटेलाल निवासी सेमरा चिखड़ी पोस्ट– हैरिण्टनगंज परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जिला– अयोध्या 2– पार्थ कृष्णन पुत्र घनश्याम चौरसिया निवासी मलेथू बुर्जुग पोस्ट– मलेथू बुजुर्ग परगना पश्चिम राठ तहसील मिल्कीपुर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 28–10–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान रेजीडेन्ट मजिस्ट्रेट महोदय अयोध्या

वाद सं.

विजय कुमार

बनाम

श्रीमती अनीता आदि

बनाम–1– श्रीमती अनीता पत्नी हरीश कुमार वर्मा 2– विमल कुमार 3– रघुनाथ 4– शिवराम 5– विश्वनाथ पुत्रगण स्वर्गीय राम प्रसाद समस्त निवासीगण ग्राम– ताहिरपुर बरौली परगना अमसिन तहसील सदर जिला– अयोध्या

तारीख पेशी 09–10–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 09 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

22 अक्टूबर से प्रारंभ होगा नंदीग्राम महोत्सव, राज्यपाल और के मंत्री होंगे सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्राचीन भरत गुफा भरत हनुमान मिलन मंदिर मणिराम दास छावनी नंदीग्राम भरतकुंड में आगामी 22 अक्टूबर से इक्कीस कुंडीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीरामकथा का भव्य आयोजन हो रहा है। जिसकी अध्यक्षता मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज करेंगे। यह कार्यक्रम कमलनयन दास भरतकुंड फाउंडेशन के संयोजन में संचालित होगा। मणिरामदास छावनी अयोध्या मे प्रेस से मुखातिब होते हुए कमलनयन दास महाराज ने बताया कि नंदीग्राम महोत्सव समारोह गुरुदेव श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अध्यक्ष व मणिरामदास छावनी पीठाधीश्वर महंत नृत्यगोपाल दास महाराज के संरक्षकत्व में हो रहा है। नंदीग्राम महोत्सव के व्यवस्थापक संत परमात्मा दास ने बताया कि इक्कीस कुंडीय श्रीराम महायज्ञ की कलशयात्रा पंचकोसीय परिक्रमा के साथ प्रातः 9 बजे मंडप प्रवेश, समारोह का उद्घाटन 11 सौ हनुमान चालीसा पाठ, नवाह पारायण पाठ प्रतिदिन,भजन संध्या, महाआरती, रामलीला मंचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विद्यालय के बच्चों की प्रतियोगिता प्रतिदिन संपादित होगी। उन्होंने बताया कि 22 अक्टूबर को बिहार से प्रस्थान कर भरतकुंड नंदीग्राम तक लवकुश भगवान की यात्रा पधारेगी। 23 अक्टूबर को देवी पूजन, प्रतिदिन शास्त्रीय संगीत ,भजन संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम संपादित होगा।24 अक्टूबर को अरणी मंथन के साथ यज्ञ प्रारंभ, विद्यालय के बच्चों का कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। 25 अक्टूबर को श्रीरामकथा की अमृत वर्षा का श्रीगणेश जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी रत्नेश प्रपन्नाचार्य महाराज के श्रीमुख से होगी। 26 अक्टूबर को दक्षिण भारत (मैलापुर चेन्नई) किंचितकारम धर्म संस्थापनम द्वारा कार्यक्रम सुबह साढ़े ग्यारह बजे से साढ़े तीन बजे तक संचालित होगा। 27 अक्टूबर को देवी पूजन, नवाह पारायण पाठ, श्रीराम महायज्ञ, भरत चरित्र पर श्रीरामकथा, विद्यालय के बच्चों द्वारा कार्यक्रम, भजन संध्या, रामलीला मंचन का कार्यक्रम किया जाएगा।

मासूम संग रेप के मामले को लेकर बढ़नी कस्बे में तनाव सड़क पर उतरे लोग, आरोपी को फांसी देने की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी कस्बे के एक वार्ड में तीन अक्तूबर की शाम नौ वर्षीय मासूम संग रेप की घटना से नाराज एक पक्ष के लोग रविवार को सड़क पर उतर आएं। उन्होंने आरोपित को फांसी की सजा व उसके घर को बुलडोजर से गिराने की मांग करते हुए दुकान बंद कराने लगे। कस्बे के मार्ग दुकान बंद कराने लगे। इसके लेकर दुकानदार से बहस होने लगी। मामला बढ़ता देख दुकानदार के समर्थन में भी दूसरे पक्ष के कई लोग आ गए और दोनों पक्ष आमने सामने हो गया। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के लोग लामबंद होने लगे। इसी दौरान कस्बे के सरस्वती शिशु मंदिर गली में दुकान बंद करा रहे लोगों पर दूसरे पक्ष के कुछ युवक ईंट–पत्थर फेंक निकल पड़े। एक युवक के हाथ में तलवार भी दिखी। मामले की जानकारी होते ही एएसपी सिद्धार्थ, एसडीएम व तहसीलदार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। इस दौरान बाजार बंद करा रहे पक्ष ने एक घर के छत से पत्थरबाजी का आरोप लगाते हुए उस घर में पत्थरबाजी करने वालों की छिपे होने की बात करते हुए उन्हें प्रशासन से उन्हें घर से बाहर निकालने की बात करने लगे और सड़कों पर नारेबाजी करने लगे। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला बेकाबू होते देख लाठी चार्ज कर भीड़ को तितर बितर कर काबू पाया। फिलहाल घटना को लेकर बढ़नी में तनाव की स्थिति बनी हुई है। कस्बे के संवेदनशील क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

बढ़नी कस्बे के एक पक्ष के लोगों ने रविवार को माल गोदाम तिराहे पर एकत्र होकर बढ़नी की बेटी को न्याय दो, बलात्कारी को फांसी दो के नारे लगाए और थानाध्यक्ष डेबरुआ संतोष कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोपित को फांसी देने और उसके घर की पैमाइश कराकर बुलडोजर से ध्वस्त करने की मांग की। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरि, व्यापारी नेता प्रदीप कमलापुरी, विनीत कमलापुरी, गणेश अग्रहरि, सचिन गोयल, अजय जायसवाल, विजय पांडेय, ध्रुव चतुर्वेदी, मनोज गोयल आदि मौजूद रहे।

बढ़नी कस्बे में तीन अक्तूबर की शाम हुई घटना में तत्काल केस दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसी आरोपित को फांसी देने व उसके घर को गिराने की मांग को लेकर कुछ लोगों ने रविवार को प्रदर्शन किया। इसके बाद ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देकर वापस लौटते समय कुछ दुकानों को बंद कराने का प्रयास किया गया। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर हालात को नियंत्रण किया। वर्तमान में शांति व्यवस्था कायम है। मौके पर पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है।

बौडिहारनाथ धाम में विधि विधान से मां दुर्गा मंदिर प्रतिमा स्थापितः भक्तों ने शुरू किया पूजन अर्चन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नवरात्रि के अवसर पर गौर विकास खण्ड क्षेत्र के श्री बौडिहारनाथ धाम में प्रमुख समाज सेवी दयाशंकर पटवा द्वारा आदि शक्ति मां दुर्गा मंदिर की प्रतिमा स्थापना का कार्य वैदिक परम्परा के अनुरूप विधि विधान से सम्पन्न हुआ और आचार्य गणों की उपस्थिति में भक्तों ने मां दुर्गा की आराधना आरम्भ किया।

समाज सेवी दयाशंकर पटवा ने बताया कि उनकी वर्षो से इच्छा थी कि बौडिहारनाथ धाम में मां दुर्गा का मंदिर निर्माण कराकर देवी प्रतिमा स्थापित कराया जाय। सबके सामूहिक प्रयास से यह संकल्प पूरा हुआ। बौडिहारनाथ धाम सेवा ट्रस्ट बौडिहार बेलघाट द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है। बताया कि मंदिर में पहले से ही पौराणिक बौडिहारनाथ का शिव मंदिर आस्था का केन्द्र है और द्वादश ज्योर्तिलिंग की पहले से ही स्थापना की गई है। मंदिर परिसर में देवी देवताओं की प्रतिमायें स्थापित हैं। यह मंदिर पहले से प्रसिद्ध है और मां देवी की प्रतिमा स्थापित होने के साथ ही इसकी आध्यात्मिक भव्यता और बढ गई है।

बडी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने पूरी आस्था के साथ बौडिहारनाथ धाम स्थित नव निर्मित मां देवी के मंदिर में पूजन अर्चन आरम्भ किया।

अयोध्या धाम से आये पुजारी श्री राम शास्त्री और उदयभान पाण्डेय ने शिष्यों के साथ विधि विधान से मां देवी प्रतिमा को स्थापित कराया। वैदिक रीति के अनुरूप 5 अक्टूबर से मां देवी प्रतिमा का पूजन अर्चन भक्तों द्वारा आरम्भ हो गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एवं क्षेत्राधिकारी हर्रैया अशोक मिश्र, थानाध्यक्ष पैकोलिया धर्मेन्द्र यादव, रमाकान्त पाण्डेय, बाबा लाल मोहन दास, उमाशंकर पटवा, मनोज सिंह, कृपाशंकर पटवा, रमेश पटवा, वृजेश पटवा, जयेश पटवा, संदीप पटवा, सुमित चावला, राधेश्याम पटवा, राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, कुसुम पटवा, सुशीला मिश्र, शैल कुमारी, हनुमान प्रसाद मिश्र, शशिकान्त पाण्डेय, अनिल मिश्र, राम नरेश यादव, राम सूरत यादव, के साथ ही बड़ी संख्या में आस–पास के गांवों के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गोरखपुर नगर निगम सदन की 9वीं बैठक आज

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम सदन की नौवीं बैठक सोमवार को सुबह 11 बजे से निगम सदन हाल में महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी सदस्यों को सूचना देने के साथ बैठक के एजेंडों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में 10 जुलाई को हुई सातवीं और 14 अगस्त को हुई आठवीं बैठक के कार्यवाही की पुष्टि होगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अमित नारायण पुत्र श्री रामकुमार है। और ग्राम भूपुड़ा उर्फ हनुमानगंज पोस्ट–हनुमानगंज जनपद बस्ती का निवासी है। कुछ अभिलेखों में मेरा नाम अमित नारायण पटवा है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। अब मुझे अमित नारायण के नाम से जाना व पहचाना जाय।

जहां यज्ञ हवन होगा वहां शुद्ध पवन होगा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ईश्वर को लेकर दुनिया में बहुत भ्रांतियां फैली हुई हैं। लोग अपने अनुसार ईश्वर का व्याख्यान कर रहे हैं जिससे हिंदू समाज आज भटका हुआ है। उसे सही रास्ते पर लाने के लिए एकमात्र उपाय वेद है। जो ईश्वर के प्राप्ति का सही रास्ता बताता है। यह बातें आर्य समाज नई बाजार बस्ती के51वें वार्षिकोत्सव में वैदिक प्रवक्ता स्वामी सच्चिदानंद ने ईश्वर का वास्तविक स्वरूप विषय पर व्याख्यान देते हुए कही। उन्होंने बताया कि ईश्वर सर्व व्यापक है उसे आंखों से देखा नहीं जा सकता। ईश्वर के कार्यों को देखकर ईश्वर के विषय में जाना जा सकता है। मनुष्य ईश्वर के बनाए हुए मंदिर के महत्व को नहीं समझ रहा है और इंसान के बनाए हुए मंदिर में भगवान की तलाश कर रहा है।

उन्होंने अपने व्याख्यान में निर्गुण एवं सगुण की विस्तार से चर्चा किया और कहा कि धर्म के नाम पर अपनी दुकान चलाने वाले लोग देश के लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। उन्हें यह नहीं पता कि वेद मार्ग पर चलकर ही जीवन की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। भजनोपदेशिका पण्डिता रुक्मणी देवी ने अपने भजन 'हे ज्योतिपुंज भगवन मेरे मन में क्यों अंधेरा' प्रस्तुत कर कार्यक्रम को नई चेतना दी और ईश्वर का वास्तविक स्वरूप समझाया। बिजनौर से पधारे आर्य समाज के प्रसिद्ध भजनोपदेशक योगेश दत्त आर्य ने 'जहां यज्ञ हवन होगा वहां शुद्ध पवन होगा' भजन प्रस्तुत कर लोगों को यज्ञ का महत्व बताया और कहा कि इससे पर्यावरण भी जीवनदायी होगा। ईश्वर का वैदिक स्वरूप विषय पर तर्क देते हुए 'सृष्टि में व्यापक प्रभु है दृष्टि में आता नहीं' भजन प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया।

उन्होंने कहा कि ईश्वर सूक्ष्म से भी सूक्ष्म है। परमात्मा के सिवा सृष्टि को और कोई नहीं रच सकता। और इस संसार में ईश्वर का मंदिर कोई नहीं बना सकता। यज्ञ कराते हुए आचार्य सुरेश जोशी ने बताया कि यज्ञ करने से हमें हमें अपार आत्मबल प्राप्त होता है। यज्ञ से समस्त जीवों का कल्याण होता है। ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि आगामी 8 अक्तूबर को आर्य वीर दल का शौर्य प्रदर्शन दिन में 2बजे से 4बजे तक होगा। उन्होंने इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आह्वान किया है। यजमान के रूप में नवीन कुमार श्रीवास्तव, सत्या पाण्डेय, कंचनलता आर्य, अमित कुमार, मनीष कुमार सपरिवार यजमान रहे।

माह भर से चिकित्सक बिना सूचना नदारद, निरीक्षण में खुली पोल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया ने रविवार को शोहरतगढ़ सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पता चला कि तैनात चिकित्सक डॉ. ऋषि त्रिपाठी माह भर से बिना सूचना के नदारद चल रहे हैं। इसके अलावा एक कर्मी के भी नदारद रहने की पोल खुली। सीएमओ ने चिकित्सक व कर्मी का वेतन–मानदेय बाधित करते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है। दरअसल, शोहरतगढ़ सीएचसी पर तैनात चिकित्सक डॉ. ऋषि त्रिपाठी अपनी तैनाती अवधि से ही चर्चा में हैं। लगभग एक वर्ष से तैनात चिकित्सक अभी तक माह भर की ओपीडी नहीं की है। सीएमओ के औचक निरीक्षण में चिकित्सक डॉ. ऋषि त्रिपाठी 13 सितंबर से लगातार नदारद मिले हैं। पूर्व में भी यह चिकित्सक लंबे समय तक बिना सूचना के नदारद रहे हैं। सीएचसी पर ज्वाइनिंग के बाद चिकित्सक शुरुआती समय में रविवार को सिर्फ इमरजेंसी ड्यूटी करने आते थे। इसे लेकर अंदरखाने चिकित्सकों में भी विरोध है। इसके अलावा बीएचडब्ल्यू सद्दाम हुसैन एक अक्तूबर से बिना सूचना के नदारद चल रहे हैं। इन दोनों चिकित्सक–कर्मी का सीएमओ ने वेतन–मानदेय बाधित करते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने प्रसव कक्ष के सामने गंदी दीवार की सफाई कराने के निर्देश दिए। सीएमओ ने कहा कि सीएचसी पर मौजूद सभी सुविधाओं का लाभ मरीजों को मिले व बाहर की दवाएं न लिखें। इस दौरान बीसीपीएम सुरेंद्र पाल, स्टॉफ नर्स रतनलाल आदि मौजूद रहे।

सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी थे प्रोफेसर सुरेंद्र

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय स्थित बुद्ध विद्यापीठ पीजी कॉलेज में प्रोफेसर रहे स्व. सुरेंद्र मिश्र की चौथी पुण्यतिथि शहर के पुराना नौगढ़ स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच मनाई गई। इस मौके पर सभी ने उनके चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में आयोजित कार्यक्रम में विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश मंत्री, सिद्धार्थ सिविल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि प्रोफेसर स्व. सुरेंद्र मिश्र की सरलता और सहजता किसी से छुपी नहीं है। उन्हें जानने वाला हर सख्स उनका मुरीद था। मौजूदा परिवेश में भी वह अपना जीवन ईमानदारी, सादगी और सामाजिक सरोकार से जोड़कर ही बिताया। ऐसे व्यक्तित्व से प्रेरणा और सीख लेने की आवश्यकता है। संचालन वृद्धाश्रम के प्रबंधक सिद्धार्थ गौतम ने किया। इस मौके पर राजन सिंह, जय प्रकाश, प्रदीप वर्मा, गिरिजेश सिंह, आशीष, नेहा मिश्रा, विनीता मिश्रा, रूबी भारती आदि मौजूद रहीं।

जाल में फसा मगरमच्छ

संवाददाता–गोरखपुर। कैंपियरगंज में पिछले एक सप्ताह से मगरमच्छ की दहशत रविवार को खत्म हो गई। वन विभाग की टीम ने गांव के पोखरे से रेस्क्यू कर मगरमच्छ का पकड़ा और राप्ती नदी में ले जाकर छोड़ दिया। पिछले एक सप्ताह से ग्रामीण खासे दहशत में थे और दिन–रात जागकर पहरेदारी करते हुए मगरमच्छ की निगरानी कर रहे थे। जाल में फंसाने के बाद रविवार को ग्रामीणों ने चौन की सांस ली। जानकारी के अनुसार, गांव के पोखरे में करीब एक सप्ताह से मगरमच्छ दिखा था। ग्रामीणों ने पोखरे में मगरमच्छ होने की सूचना रविवार को वन विभाग को दी। रविवार दोपहर कैम्पियरगंज से पहुंची वन निगम की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। लगभग चार घंटे की कड़ी मशक्क के बाद पोखरे के तट पर छिपा मगरमच्छ दिख गया। टीम ने जाल फेंककर इसे नियंत्रित किया। क्षेत्रीय वन अधिकारी समर सिंह ने बताया मगरमच्छ पूरी तरह स्वस्थ है। ग्रामीणों को किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। मगरमच्छ को करमौनी क्षेत्र के राप्ती नदी में छोड़ा जाएगा।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

अदालती नोटिस

इस्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 108/2024
मोहम्मद सलमान–सायलान
1 मोहम्मद सलमान उम्र लगभग 32 साल 2. मोहम्मद अमीर उम्र लगभग 28 साल 3. मोहम्मद शारूफ उम्र लगभग 25 साल पुत्रगण वकसुल्लाह साकिनान मौजा केवटाखोर तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर पो0 जहलीपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 25–10–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 25–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 144 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामसजन
बनाम
ग्रामसभा आदि
1. ग्रामसभा गौरा रोहरी जरिये प्रधान ग्राम सभा गौरा रोहरी तप्पा जगरनाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
2. उत्तर प्रदेश सरकार जरिये कलेक्टर महोद बस्ती
तारीख पेशी 15–10–2024
वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर हमायत अपील
वाद सं0–C201917000000181
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला बस्ती
अमजद
बनाम
मजहर अजीज आदि
1. मजहर अजीज 2. असलम अजीज 3. अतहर अजीज 4. अख्तर अजीज 5. अनवर अजीज 6. अरसद अजीज पुत्रगण मो0 हारून साकिनान मौजा तिगड़ियाखुर्द तप्पा हल्लौर परगना रसूलपुर पो0 हल्लौर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 22–10–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 05 माह 10 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 356/2016
ओम प्रकाश आदि
बनाम
जगदीश आदि
5/4 श्रीमती संजू उम्र लगभग 45 साल 5/5 श्रीमती सुधा उम्र लगभग 40 साल 5/6 श्रीमती रेखा उम्र लगभग 35 साल पुत्रीगण जनार्दन निवासीगण ग्राम महसो तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 13–11–2024
हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 13 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर हमायत अपील
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला बस्ती
शिवराम आदि
बनाम
नेबूलाल आदि
1. गनेश कुमार 2. दिनेश कुमार पुत्रगण अजोरे साकिन जोकहा हाल मुकाम ग्राम परसाकुतुब तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 16–10–2024
अपील बनराजी अदालत C.O. हर्रैया प्रथम मुकाम बस्ती
मयरिखा 28 महीना 03 सन् 2024 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 30 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 1300/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अमरनाथ
बनाम
श्रवण कुमार
1. श्रवण कुमार पाण्डेय उम्र लगभग साल पुत्र रामधीरज 2. श्रीमती पुनीता उम्र लगभग साल पत्नी कामेश्वरनाथ निवासीगण मौजा बसेया पाण्डेय तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 14–11–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर हमायत अपील
प्रकीर्णवाद सं0– 92/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला बस्ती
इन्द्रसेन पाण्डेय उर्फ गंगा प्रसाद
बनाम
गोविन्द तिवारी आदि
1/1 हरिशंकर उम्र लगभग 60 साल 1/2 जटाशंकर उम्र लगभग 59 साल 1/3 रमाशंकर उम्र लगभग 48 साल 1/4 श्री शंकर उम्र लगभग 46 साल पुत्रगण गोविन्द तिवारी 2/1 उमा शंकर उम्र लगभग 54 साल 2/2 विनय शंकर उम्र लगभग 44 साल पुत्रगण केशरी प्रसाद 2/3 सरस्वती उम्र लगभग 80 साल पत्नी स्व0 केशरी प्रसाद साकिनान मौजा नाथपुर पाण्डेय तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–10–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 15 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 187/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
शशिकला आदि
बनाम
श्रीमती कलावती देवी आदि
1. श्रीमती कलावती देवी उम्र लगभग 38 वर्ष पत्नी जनार्दन निवासी ग्राम औरही पो0–मधवापुर तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर 2. श्रीमती नीरज उम्र लगभग 34 वर्ष पत्नी सन्तोष पाण्डेय निवासी ग्राम व पोस्ट डड़वाखुर्द तहसील फरेन्दा जिला–महराजगंज
3. श्रीमती नेहा राय उम्र लगभग 32 वर्ष पत्नी राहुल राय निवासी ग्राम बनुहिया बुजुर्ग तप्पा कुदारन तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 4. श्रीमती पूजा उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी सूरज कुमार निवासी ग्राम कुआहाटा तप्पा निकसौली तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 04–11–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम